



RAF SECTOR

NEWS CLIP

14/08/19



TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Rajasthan Patrika (Ahmedabad, Guj.)

विश्व अंगदान दिवस पर...
आरएएफ 100वीं
बटालियन में

जागरूकता कार्यक्रम

अहमदाबाद, वस्त्राल स्थित 100वीं वाहिनी द्रुत कार्य बल (आरएएफ) में मंगलवार को बटालियन कमाण्डेन्ट पुष्पेन्द्र कुमार के दिशा-निर्देश में विश्व अंगदान दिवस पर वाहिनी के मैन्स क्लब में जागरूकता कार्यक्रम हुआ।

एक निजी अस्पताल की डॉ. मैत्री एवं उनकी टीम ने अंगदान पर कहा कि शरीर के कई ऐसे महत्वपूर्ण अंग हैं जिनका दान किया जा सकता है जैसे, नेत्र, गुर्दा, लीवर, रक्त, फेफड़े, त्वचा एवं हृदय। अंगदान के प्रति जागरूकता के अभाव में अंगदान करने वाले लोगों का प्रतिशत कम है। द्वितीय कमान अधिकारी जितेन्द्र कुमार ओझा भी मौजूद थे।

शाम 4.23 तक रहेगा रक्षाबंधन का शुभ मुहूर्त

PICS: DAINIK JAGRAN | NEXT

सुबह पांच बजकर 32 मिनट से
शुरू होगा रक्षाबंधन का पर्व

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (13 Aug): भाई-बहन के पवित्र प्रेम के प्रतीक रक्षाबंधन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इस बार रक्षाबंधन का पर्व स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त हो पड़ रहा है। पूर्णिमा की शुरुआत 14 अगस्त को दिन में 2 बजकर 47 मिनट से शुरू होकर 15 अगस्त की शाम 4 बजकर 23 मिनट तक रहेगी। हिन्दू धर्म की मान्यता के अनुसार लोग किसी भी पर्व को सूर्य के उदय से ही मानते हैं। इस तरह बहनें अपने भाई की कलाई में रक्षा सूत्र 15 अगस्त को सुबह 5 बजकर 32 मिनट से शाम 4 बजकर 23 मिनट के बीच कभी भी बांध सकती हैं।



मिनट तक रहेगा। इसके बाद धनिष्ठा नक्षत्र शुरू होगा। साथ ही सौभाग्य योग की शुरुआत होगी जो दोपहर 12 बजकर 56 मिनट तक रहेगा। इसके ठीक बाद शोभन योग की शुरुआत होगी। इस रक्षाबंधन की खासबात है कि पर्व के समय भद्रा नहीं है जो अति शुभकारी होगा।

12.56 तक रहेगा सौभाग्य योग

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार पूर्णिमा के दौरान राहु काल और भद्रा को छोड़कर शेष समय रक्षाबंधन के लिए शुभ होता है। शुभ नक्षत्रों की बात करें तो रक्षाबंधन के दिन इस बार श्रवण नक्षत्र सुबह 8 बजकर एक

कब करें रक्षाबंधन

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि 15 अगस्त को सुबह 5 बजकर 32 मिनट से शाम 4 बजकर 23 मिनट तक रक्षाबंधन कर सकते हैं। इसमें यदि एक बजकर 30 मिनट से 3 बजे तक राहुकाल का परित्याग कर सकें तो उत्तम ही होगा।

Photos of Deployment/Fam-Ex Of RAF



सी०आर०पी०एफ० सदा अजेय, भारत माता की जय।